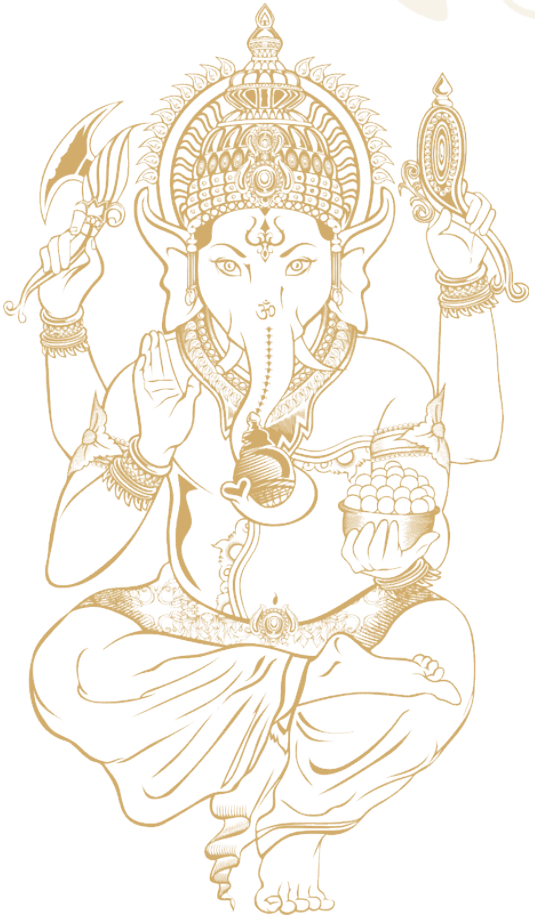

Devandar singh gogadev

31 May 1986

09:25 AM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120765803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/05/1986**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**09:25:00 घंटे**
इष्ट	09:08:53 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:47:32 घंटे
वेलान्तर	00:02:26 घंटे
साम्पातिक काल	01:20:59 घंटे
सूर्योदय	05:45:26 घंटे
सूर्यास्त	19:24:57 घंटे
दिनमान	13:39:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	15:45:12 वृष
लग्न के अंश	05:03:11 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	विष्कुम्भ
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेनजित
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	05:03:11	310:48:05	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
सूर्य			वृष	15:45:12	00:57:31	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	23:15:30	12:50:18	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल			धनु	28:58:13	00:06:24	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
बुध		अ	वृष	25:30:42	02:05:14	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	26:24:40	00:07:28	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
शुक्र			मिथु	17:48:57	01:11:35	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	मित्र राशि
शनि	व		वृश्चि	12:30:53	00:04:27	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	शत्रु राशि
राहु			मेष	05:37:53	00:00:43	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु			तुला	05:37:53	00:00:43	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	27:10:50	00:02:24	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
नेप	व		धनु	11:26:36	00:01:25	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	11:24:12	00:01:19	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			मीन	28:13:56	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:54

लग्न-चलित

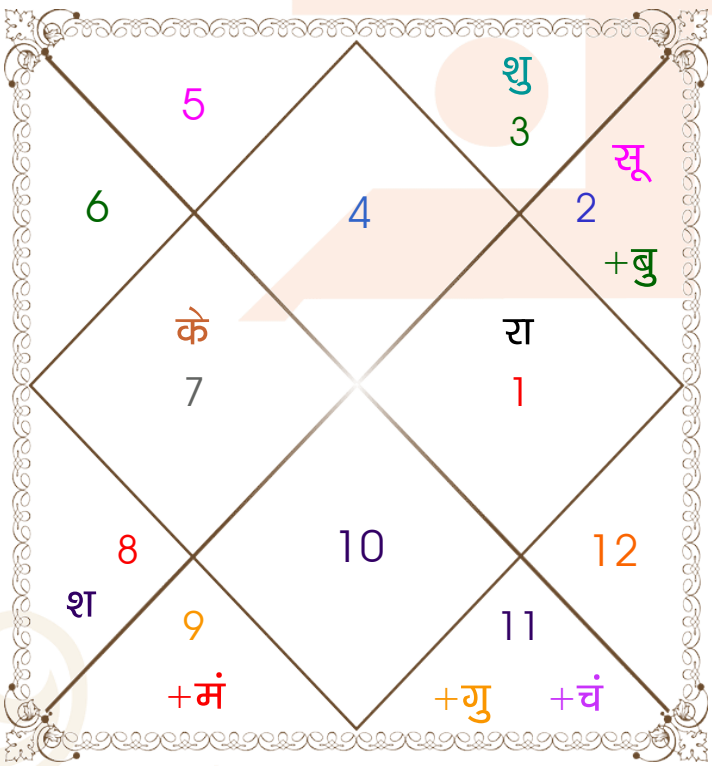

चन्द्र कुंडली

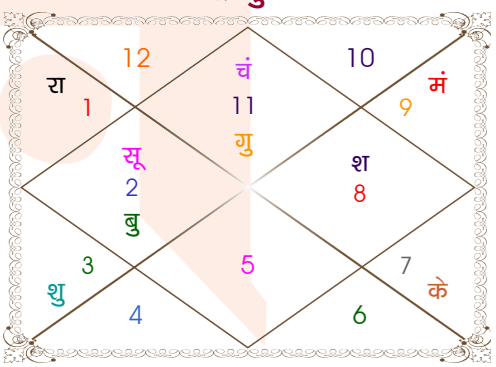

नवमांश कुंडली

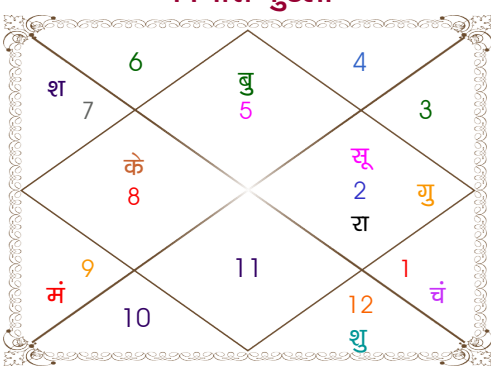

रुद्र वैदिक वास्तु एवं ज्योतिष कंसलटेंसी
जोधपुर - राजस्थान -(भारत)
9784732978
kishorchoukha@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 1 मास 2 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
31/05/1986		03/07/1998		03/07/2017		03/07/2034		03/07/2041	
03/07/1998		03/07/2017		03/07/2034		03/07/2041		03/07/2061	
	31/05/1986	शनि	06/07/2001	बुध	29/11/2019	केतु	29/11/2034	शुक्र	01/11/2044
शनि	03/03/1987	बुध	15/03/2004	केतु	25/11/2020	शुक्र	29/01/2036	सूर्य	01/11/2045
बुध	08/06/1989	केतु	24/04/2005	शुक्र	26/09/2023	सूर्य	05/06/2036	चंद्र	03/07/2047
केतु	15/05/1990	शुक्र	23/06/2008	सूर्य	02/08/2024	चंद्र	04/01/2037	मंगल	01/09/2048
शुक्र	13/01/1993	सूर्य	05/06/2009	चंद्र	01/01/2026	मंगल	02/06/2037	राहु	02/09/2051
सूर्य	01/11/1993	चंद्र	04/01/2011	मंगल	29/12/2026	राहु	21/06/2038	गुरु	03/05/2054
चंद्र	03/03/1995	मंगल	13/02/2012	राहु	18/07/2029	गुरु	28/05/2039	शनि	03/07/2057
मंगल	07/02/1996	राहु	20/12/2014	गुरु	24/10/2031	शनि	05/07/2040	बुध	02/05/2060
राहु	03/07/1998	गुरु	03/07/2017	शनि	03/07/2034	बुध	03/07/2041	केतु	03/07/2061

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
03/07/2061		03/07/2067		03/07/2077		02/07/2084		04/07/2102	
03/07/2067		03/07/2077		02/07/2084		04/07/2102		00/00/0000	
सूर्य	20/10/2061	चंद्र	02/05/2068	मंगल	29/11/2077	राहु	15/03/2087	गुरु	21/08/2104
चंद्र	21/04/2062	मंगल	02/12/2068	राहु	17/12/2078	गुरु	08/08/2089	शनि	01/06/2106
मंगल	27/08/2062	राहु	02/06/2070	गुरु	23/11/2079	शनि	14/06/2092		00/00/0000
राहु	21/07/2063	गुरु	02/10/2071	शनि	01/01/2081	बुध	01/01/2095		00/00/0000
गुरु	09/05/2064	शनि	03/05/2073	बुध	29/12/2081	केतु	20/01/2096		00/00/0000
शनि	21/04/2065	बुध	02/10/2074	केतु	27/05/2082	शुक्र	20/01/2099		00/00/0000
बुध	25/02/2066	केतु	03/05/2075	शुक्र	27/07/2083	सूर्य	14/12/2099		00/00/0000
केतु	03/07/2066	शुक्र	01/01/2077	सूर्य	02/12/2083	चंद्र	15/06/2101		00/00/0000
शुक्र	03/07/2067	सूर्य	03/07/2077	चंद्र	02/07/2084	मंगल	04/07/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 1 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करोंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।